मानव विकास

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» वृद्धि और विकास: अर्थ और अंतर

प्रश्न 1 (आसान). अगर किसी बच्चे का वज़न बढ़ जाए, तो यह 'वृद्धि' है या 'विकास'?
उत्तर – यह 'वृद्धि' है।

प्रश्न 2 (आसान). किसी कंपनी का लाभ बढ़ जाए, तो यह 'वृद्धि' है या 'विकास'?
उत्तर – यह 'वृद्धि' है।

प्रश्न 3 (मध्यम). एक स्कूल में छात्रों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ अगर शिक्षकों की गुणवत्ता और पढ़ने-पढ़ाने का माहौल भी सुधर जाए, तो यह क्या होगा?
उत्तर – यह 'विकास' होगा, क्योंकि यहाँ मात्रात्मक (छात्रों की संख्या) और गुणात्मक (गुणवत्ता, माहौल) दोनों में सुधार हुआ है।

प्रश्न 4 (कठिन). एक देश की प्रति व्यक्ति आय (per capita income) बढ़ी है, लेकिन देश में अमीर और गरीब के बीच का अंतर भी बढ़ गया है और गरीब लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिल पा रही हैं। क्या इसे 'विकास' कहेंगे? कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, इसे केवल 'वृद्धि' कहेंगे, 'विकास' नहीं। आय बढ़ने से मात्रात्मक वृद्धि तो हुई है, लेकिन गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ, बल्कि कुछ लोगों की जीवन-गुणवत्ता में गिरावट आई है क्योंकि असमानता बढ़ी है और मूलभूत सुविधाएँ नहीं मिलीं। विकास का मतलब है सबका जीवन-स्तर सुधरना।

» मानव विकास की अवधारणा

प्रश्न 5 (आसान). मानव विकास की अवधारणा किसने दी?
उत्तर – डॉ. महबूब-उल-हक।

प्रश्न 6 (आसान). मानव विकास का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – लोगों के विकल्पों में वृद्धि और उनके जीवन को बेहतर बनाना।

प्रश्न 7 (मध्यम). आर्थिक विकास और मानव विकास में क्या अंतर है?
उत्तर – आर्थिक विकास केवल पैसे और वस्तुओं की बढ़ोतरी पर केंद्रित है, जबकि मानव विकास लोगों की क्षमताओं, विकल्पों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित है।

प्रश्न 8 (कठिन). मानव विकास के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य क्यों महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – शिक्षा लोगों को ज्ञान और कौशल देती है, जिससे वे बेहतर रोज़गार के विकल्प चुन सकते हैं। स्वास्थ्य उन्हें लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद करता है, ताकि वे अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकें। ये दोनों ही लोगों के विकल्पों को बढ़ाते हैं और उन्हें सशक्त बनाते हैं।

» सार्थक जीवन का अर्थ

प्रश्न 9 (आसान). सार्थक जीवन के लिए लंबी उम्र के अलावा और क्या ज़रूरी है?
उत्तर – स्वस्थ होना और ज्ञान प्राप्त करना।

प्रश्न 10 (आसान). क्या सिर्फ़ पैसा कमाने से जीवन सार्थक हो जाता है?
उत्तर – नहीं, पैसा ज़रूरी है पर पर्याप्त नहीं; स्वास्थ्य, ज्ञान और आज़ादी भी चाहिए।

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति हमेशा बीमार रहता है और कोई फ़ैसला ख़ुद नहीं ले पाता, तो क्या उसका जीवन सार्थक माना जाएगा? कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, क्योंकि सार्थक जीवन के लिए स्वस्थ रहना और अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्वतंत्र होना भी ज़रूरी है।

प्रश्न 12 (कठिन). आपके अनुसार, सरकार को 'सार्थक जीवन' को बढ़ावा देने के लिए किन दो मुख्य क्षेत्रों पर काम करना चाहिए? विस्तार से बताओ।
उत्तर – सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना चाहिए ताकि लोग स्वस्थ रह सकें, और शिक्षा के अवसरों को बढ़ाना चाहिए ताकि लोग ज्ञान प्राप्त कर सकें और समाज में भागीदारी कर सकें। इससे उनके विकल्प बढ़ेंगे और वे अपने फ़ैसले ख़ुद ले पाएंगे।

» मानव विकास के चार स्तंभ

प्रश्न 13 (आसान). मानव विकास का कौन सा स्तंभ भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों को बचाकर रखने पर जोर देता है?
उत्तर – सतत पोषणीयता

प्रश्न 14 (आसान). जब हर किसी को अपनी पसंद के अनुसार निर्णय लेने की शक्ति मिलती है, तो वह मानव विकास का कौन सा स्तंभ है?
उत्तर – सशक्तिकरण

प्रश्न 15 (मध्यम). एक उदाहरण से समझाओ कि 'उत्पादकता' मानव विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है।
उत्तर – उत्पादकता का अर्थ है मानव श्रम की कार्यक्षमता बढ़ाना। जब लोग ज़्यादा skillful और healthy होते हैं, तो वे बेहतर काम कर पाते हैं और ज़्यादा योगदान दे पाते हैं। जैसे, एक किसान को नई तकनीकें सिखाने से उसकी फ़सल की पैदावार बढ़ती है, जिससे उसकी आय और जीवन स्तर दोनों बेहतर होते हैं।

प्रश्न 16 (कठिन). आपके अनुसार, मानव विकास के इन चार स्तंभों में से सबसे महत्वपूर्ण कौन सा है और क्यों? विस्तार से बताओ।
उत्तर – हालांकि सभी स्तंभ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन 'समता' को अक्सर सबसे मूलभूत माना जाता है। क्योंकि अगर सभी को समान अवसर ही नहीं मिलेंगे (जैसे अच्छी शिक्षा या स्वास्थ्य तक पहुँच), तो वे सशक्त कैसे होंगे, उत्पादक कैसे बनेंगे, और भविष्य के लिए कुछ बचेगा कैसे? जब तक समाज में भेदभाव रहेगा, तब तक मानव विकास पूरी तरह से हासिल नहीं किया जा सकता। जैसे, अगर लड़कियों को पढ़ने का मौका न मिले, तो उनकी क्षमताएँ कभी बाहर नहीं आ पाएँगी।

» मानव विकास के उपागम

प्रश्न 17 (आसान). कौन सा उपागम मानता है कि आय बढ़ने से मानव विकास होता है?
उत्तर – आय उपागम

प्रश्न 18 (आसान). किस उपागम में सरकार को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएँ देनी चाहिए?
उत्तर – कल्याण उपागम

प्रश्न 19 (मध्यम). आधारभूत आवश्यकता उपागम के अनुसार, मानव विकास के लिए कौन सी 6 बुनियादी ज़रूरतें महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पानी, सफाई और आवास।

प्रश्न 20 (कठिन). क्षमता उपागम, बाकी उपागमों से कैसे अलग है, और यह किस बात पर ज़्यादा ज़ोर देता है?
उत्तर – क्षमता उपागम सिर्फ आय या सुविधाओं पर ध्यान नहीं देता, बल्कि इस पर जोर देता है कि लोग अपनी क्षमताओं का कितना विकास कर पाते हैं और अपनी पसंद के अनुसार जीवन जीने के लिए कितने स्वतंत्र हैं। यह लोगों को निष्क्रिय लाभार्थी नहीं बल्कि सक्रिय भागीदार मानता है।

» मानव विकास का मापन (HDI)

प्रश्न 21 (आसान). HDI का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – मानव विकास सूचकांक (Human Development Index)

प्रश्न 22 (आसान). HDI का स्कोर किस अंक से किस अंक के बीच होता है?
उत्तर – 0 से 1 के बीच

प्रश्न 23 (मध्यम). स्वास्थ्य को मापने के लिए HDI में किस सूचक का प्रयोग किया जाता है?
उत्तर – जन्म के समय जीवन-प्रत्याशा

प्रश्न 24 (कठिन). क्या आप बता सकते हैं कि 'संसाधनों तक पहुँच' को मापने के लिए किस आर्थिक सूचक का उपयोग होता है?
उत्तर – प्रति व्यक्ति आय

» मानव गरीबी सूचकांक

प्रश्न 25 (आसान). HPI का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – मानव गरीबी सूचकांक (Human Poverty Index)

प्रश्न 26 (आसान). क्या HPI केवल आर्थिक गरीबी को मापता है?
उत्तर – नहीं, यह शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे कई पहलुओं में कमी को देखता है।

प्रश्न 27 (मध्यम). HPI किस सूचकांक का पूरक है?
उत्तर – यह मानव विकास सूचकांक (HDI) का पूरक है।

प्रश्न 28 (कठिन). HPI किन तीन मुख्य श्रेणियों में मानव विकास की कमी को मापता है?
उत्तर – लंबी और स्वस्थ जीवन से वंचित, ज्ञान से वंचित, और जीवन स्तर से वंचित।

» अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ और मानव विकास के स्तर

प्रश्न 29 (आसान). अगर किसी देश का HDI स्कोर 0.850 है, तो वह किस स्तर में आएगा?
उत्तर – अति उच्च

प्रश्न 30 (आसान). किस स्तर के देशों का स्कोर 0.550 से 0.699 के बीच होता है?
उत्तर – मध्यम

प्रश्न 31 (मध्यम). तालिका के अनुसार, 'उच्च' मानव विकास स्तर का स्कोर क्या है?
उत्तर – 0.700 से 0.799 के बीच

प्रश्न 32 (कठिन). छोटे देश या कम प्रति व्यक्ति आय वाले देश भी मानव विकास में बेहतर प्रदर्शन क्यों कर सकते हैं? दो कारण बताओ।
उत्तर – सामाजिक सेक्टरों (शिक्षा, स्वास्थ्य) पर अधिक निवेश और स्थिर राजनीतिक परिवेश।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए एक गाँव में 500 घर हैं। अगले 5 सालों में, घरों की संख्या बढ़कर 700 हो जाती है। क्या यह 'विकास' है?

› पहला कदम: हमें देखना होगा कि क्या यहाँ कोई 'वृद्धि' हुई है। हाँ, घरों की संख्या 500 से 700 हो गई है, यानी 'मात्रात्मक वृद्धि' हुई है।

› दूसरा कदम: अब हमें सोचना है कि क्या इस वृद्धि से कोई 'गुणात्मक' सुधार भी हुआ है। क्या उन नए घरों में रहने वाले लोगों को साफ़ पानी, बिजली, स्कूल और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल रही हैं?

› तीसरा कदम: अगर घरों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन लोगों को मूलभूत सुविधाएँ नहीं मिलीं, तो यह केवल 'वृद्धि' है।

› चौथा कदम: अगर घरों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ लोगों का जीवन-स्तर भी सुधरा है, तो ही इसे 'विकास' कहेंगे।

उत्तर – घरों की संख्या का बढ़ना केवल 'वृद्धि' है। यह 'विकास' तभी होगा जब इसके साथ-साथ लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सकारात्मक सुधार हो।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक गाँव में लोगों के पास केवल खेती करने का विकल्प है। मानव विकास के लिए हम क्या-क्या कदम उठा सकते हैं, ताकि उनके विकल्प बढ़ें और जीवन बेहतर हो?

› पहला कदम: गाँव में एक अच्छा स्कूल खोलना और सबको शिक्षा देना, खासकर लड़कियों को।

› दूसरा कदम: गाँव में स्वास्थ्य केंद्र (डिस्पेंसरी) खोलना और साफ पानी की व्यवस्था करना ताकि लोग स्वस्थ रहें।

› तीसरा कदम: खेती के अलावा छोटे उद्योग या हस्तशिल्प सिखाना, ताकि लोग दूसरे काम भी कर सकें और आय के विकल्प बढ़ें।

› चौथा कदम: लोगों को जागरूक करना और उन्हें अपनी ज़रूरतों और अधिकारों के बारे में बताना ताकि वे बेहतर नीतियां चुनने में अपनी बात रख सकें।

उत्तर – इन सभी कदमों से गाँव के लोगों के पास सिर्फ खेती नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और नए व्यवसाय जैसे कई विकल्प होंगे, जिससे उनका जीवन स्तर ऊँचा उठेगा और यही मानव विकास है।

उदाहरण 3. मान लो आपके सामने दो व्यक्ति हैं: पहला, 80 साल का एक बीमार व्यक्ति जो कभी स्कूल नहीं गया और हमेशा दूसरों पर निर्भर रहता है। दूसरा, 50 साल का एक स्वस्थ व्यक्ति जो रोज़ अख़बार पढ़ता है, गाँव की पंचायत में भाग लेता है और अपने बच्चों को सही-गलत सिखाता है। आप इनमें से किसका जीवन ज़्यादा सार्थक मानेंगे और क्यों?

› पहले व्यक्ति के जीवन में 'स्वास्थ्य' कम है, 'ज्ञान' की कमी है, और 'आज़ादी' भी नहीं है क्योंकि वो दूसरों पर निर्भर है।

› दूसरे व्यक्ति के जीवन में 'स्वास्थ्य' अच्छा है, 'ज्ञान' भी है (अख़बार पढ़ना और बच्चों को सिखाना), 'समाज में भागीदारी' भी है (पंचायत) और वो 'अपने फ़ैसले' ख़ुद लेता है।

› भले ही पहला व्यक्ति ज़्यादा उम्र का हो, लेकिन दूसरे व्यक्ति का जीवन इन सभी 'सार्थक जीवन' के मापदंडों पर खरा उतरता है।

उत्तर – दूसरे व्यक्ति का जीवन ज़्यादा सार्थक है क्योंकि वह स्वस्थ है, ज्ञानी है, सामाजिक है और स्वतंत्र है, भले ही उसकी उम्र पहले व्यक्ति से कम हो।

उदाहरण 4. मानव विकास के चार स्तंभों में से 'समता' का क्या अर्थ है? एक उदाहरण देकर समझाओ।

› समता का अर्थ है हर व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों तक समान पहुँच मिले।

› इसका मतलब है कि लिंग, जाति, आय या किसी भी भेदभाव के बिना, सभी को एक जैसे अवसर मिलने चाहिए।

› उदाहरण के लिए, अगर किसी गाँव में लड़कियों को लड़कों की तरह स्कूल जाने की सुविधा मिलती है, तो यह समता का एक अच्छा उदाहरण है।

› सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ और रोज़गार के अवसर बिना किसी पक्षपात के मिलने चाहिए।

उत्तर – समता का अर्थ है सभी व्यक्तियों को अवसरों तक समान पहुँच मिलना, बिना किसी भेदभाव के। जैसे- स्कूल में हर बच्चे को बराबर पढ़ने का मौका मिले, चाहे वह किसी भी लिंग या सामाजिक वर्ग का हो।

उदाहरण 5. मानव विकास के 'आय उपागम' और 'कल्याण उपागम' में मुख्य अंतर क्या है?

› पहला, 'आय उपागम' को समझो। यह मानता है कि लोगों के विकास का आधार उनकी आय है। मतलब, जितनी ज़्यादा आय, उतना ज़्यादा विकास। यह लोगों की स्वतंत्रता को उनकी आय से जोड़कर देखता है।

› दूसरा, 'कल्याण उपागम' को देखो। यह आय को इतना महत्व नहीं देता, बल्कि सरकार की भूमिका पर ज़ोर देता है। यह कहता है कि सरकार को लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास जैसी सुविधाएँ देनी चाहिए, ताकि उनका कल्याण हो सके। लोग इसमें विकास के 'लाभार्थी' होते हैं, सक्रिय भागीदार नहीं।

› अब अंतर साफ है: आय उपागम लोगों की कमाई पर केंद्रित है, जबकि कल्याण उपागम सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और सेवाओं पर केंद्रित है ताकि लोगों का भला हो सके, उनकी कमाई चाहे जो भी हो।

उत्तर – आय उपागम लोगों की आर्थिक स्वतंत्रता और क्रय शक्ति पर आधारित है, जबकि कल्याण उपागम सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सामाजिक सुविधाओं (स्वास्थ्य, शिक्षा) पर केंद्रित है, जिससे लोगों का जीवन बेहतर हो सके, चाहे उनकी आय कितनी भी हो।

उदाहरण 6. मानव विकास सूचकांक (HDI) किन तीन प्रमुख क्षेत्रों के आधार पर किसी देश का मूल्यांकन करता है?

› पहला क्षेत्र है 'स्वास्थ्य'। इसे जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (यानी एक व्यक्ति औसत कितने साल जीवित रहेगा) से मापा जाता है। अगर लोग ज़्यादा साल जीते हैं और स्वस्थ रहते हैं, तो इसका मतलब है देश में स्वास्थ्य सुविधाएँ अच्छी हैं।

› दूसरा क्षेत्र है 'शिक्षा'। इसे प्रौढ़ साक्षरता दर (कितने वयस्क पढ़-लिख सकते हैं) और सकल नामांकन अनुपात (कितने बच्चे स्कूल में नामांकित हैं) से देखा जाता है। ज़्यादा पढ़े-लिखे लोग मतलब बेहतर भविष्य।

› तीसरा क्षेत्र है 'संसाधनों तक पहुँच'। इसे प्रति व्यक्ति आय से मापा जाता है। इसका मतलब है कि लोगों के पास कितना पैसा है जिससे वे अपनी मूलभूत ज़रूरतें पूरी कर सकें - जैसे खाना, कपड़े और घर।

› इन तीनों क्षेत्रों के प्रदर्शन को मिलाकर 0 से 1 के बीच एक स्कोर दिया जाता है, जहाँ 1 सबसे अच्छा स्कोर है।

उत्तर – मानव विकास सूचकांक (HDI) स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच इन तीन प्रमुख क्षेत्रों के आधार पर किसी देश का मूल्यांकन करता है।

उदाहरण 7. मानव गरीबी सूचकांक (HPI) में कौन-कौन से मुख्य पहलू शामिल होते हैं?

› पहला पहलू है 'लंबी और स्वस्थ जीवन' से वंचित रहना। इसका मतलब है, कितने लोग 40 साल की उम्र तक जीवित नहीं रह पाते।

› दूसरा है 'ज्ञान' से वंचित रहना। इसमें दो चीज़ें आती हैं: पहला - कितने लोग निरक्षर हैं (पढ़-लिख नहीं सकते), और दूसरा - कितने बच्चों की पहुँच प्राथमिक शिक्षा तक नहीं है।

› तीसरा है 'जीवन स्तर' से वंचित रहना। इसमें देखा जाता है कि कितने लोगों को पीने का साफ़ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच नहीं है, और कितने बच्चे कम वज़न के हैं (पोषण की कमी)।

उत्तर – HPI में मुख्य रूप से लंबा और स्वस्थ जीवन, ज्ञान, और जीवन स्तर से वंचित रहने के पहलुओं को शामिल किया जाता है।

उदाहरण 8. मान लो, एक काल्पनिक देश 'आकांक्षा' का मानव विकास सूचकांक (HDI) स्कोर 0.725 है, और देश 'प्रगति' का HDI स्कोर 0.520 है। इन्हें किस मानव विकास स्तर की श्रेणी में रखा जाएगा?

› देश आकांक्षा का HDI स्कोर 0.725 है। तालिका के अनुसार, 0.700 से 0.799 के बीच वाले स्कोर 'उच्च' मानव विकास स्तर में आते हैं।

› देश प्रगति का HDI स्कोर 0.520 है। तालिका के अनुसार, 0.550 से नीचे वाले स्कोर 'निम्न' मानव विकास स्तर में आते हैं।

उत्तर – देश 'आकांक्षा' 'उच्च' मानव विकास स्तर में है, और देश 'प्रगति' 'निम्न' मानव विकास स्तर में है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा मानव विकास के आधार को समझने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। बोर्ड परीक्षा में इस पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं कि 'सार्थक जीवन से आपका क्या अभिप्राय है?' या 'मानव विकास के संदर्भ में सार्थक जीवन का महत्व स्पष्ट करें।'

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! अक्सर 'क्षमता उपागम' पर सीधा प्रश्न पूछा जाता है या फिर किन्हीं दो उपागमों में अंतर लिखने को आता है, तो हर उपागम को अच्छे से समझना।

• मानव विकास सूचकांक (HDI) के तीनों प्रमुख घटकों और उन्हें मापने वाले सूचकों को अच्छी तरह याद कर लें, क्योंकि यह अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछा जाता है।

• बोर्ड परीक्षा में HDI और HPI के बीच का अंतर और ये एक-दूसरे के पूरक कैसे हैं, इस पर अक्सर सवाल आते हैं। ध्यान से समझना।

एक नज़र में रिवीज़न

› सार्थक जीवन = स्वस्थ + ज्ञानी + सामाजिक + स्वतंत्र.

› आय, कल्याण, आधारभूत आवश्यकता, और क्षमता - ये मानव विकास के चार उपागम हैं।

› HDI: स्वास्थ्य, शिक्षा, संसाधनों तक पहुँच का मापन, 0-1 स्कोर.

› HPI = मानव विकास में कमी मापता है, HDI का पूरक।